संख्या-231/2026/1808/22-2-2024-17(797)/2021

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश मिश्र,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 *लखनऊ: दिनांक 18 मार्च, 2026*

विषय:- केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी सुरेन्द्र नाथ मिश्रा पुत्र श्री रामफेर मिश्रा, निवासी जनपद-गोण्डा की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उप महानिरीक्षक (मु0) कारागार के पत्र संख्या-30216/प्रोबे0-5-दया0/बैठक-16.09.2024, दिनांक 07.10.2024 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी सुरेन्द्र नाथ मिश्रा पुत्र श्री रामफेर मिश्रा, ग्रा0-चॉदपुर, थाना-कोतवाली देहात, जनपद-गोण्डा का निवासी है। सुरेन्द्र नाथ का दूसरी औरत से अवैध सम्बन्ध होने के कारण दिनांक 06/07.09.1981 को 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर गला दबाकर अपनी पत्नी श्रीमती चन्द्रावती देवी की हत्या कारित की गयी। उक्त अपराध हेतु बंदी को सत्र परीक्षण संख्या- 694/1981 में भा0द0वि0 की धारा-302 के अन्तर्गत मा0 न्यायालय, षष्टम् अपर सत्र न्यायाधीश गोण्डा द्वारा दिनाक 05.03.1982 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया, जिसकी अपील मा0 उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ, लखनऊ द्वारा निर्णीत करते हुए दिनांक 21.12.2018 को आजीवन कारावास की सजा को यथावत् रखा गया, दयायाचिका समिति द्वारा बन्दी द्वारा आजीवन कारावास के सापेक्ष दिनांक 05.10.2023 तक अपरिहार 08 वर्ष 05 माह 23 दिन तथा सपरिहार 09 वर्ष 09 माह 20 दिन भोगी गयी सजा के सापेक्ष समयपूर्व रिहाई होने पर समाज में प्रतिकूल संदेश जाने एवं पुलिस अधीक्षक/जिला मजिस्ट्रेट, गोण्डा द्वारा समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किये जाने के दृष्टिगत, सभी बिन्दुओं पर सम्यक् विचारोपरान्त समिति द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी सुरेन्द्र नाथ मिश्रा (बन्दी संख्या-296/2019) पुत्र श्री रामफेर मिश्रा, निवासी जनपद-गोण्डा की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
सूर्य प्रकाश मिश्र
संयुक्त सचिव।

संख्या-231/2026/1808(1)/22-2-2024 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, गोण्डा ।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, वाराणसी।
3- निजी सचिव, मा0 मंत्री कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 राज्यमंत्री जी के सूचनार्थ।
5- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in